सदस्य, एनएफआरए

डॉ. प्रवीण कुमार तिवारी एक पेशेवर सिविल सेवक हैं। आपके पास ऑडिटिंग, अकाउंटिंग और वित्तीय क्षेत्र के विनियमन में 35 वर्ष से अधिक का अनुभव है। आप 1985 में भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा सेवा में शामिल हुए। आप भारत के सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्थान से उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुए।

डॉ. तिवारी के पास वित्त मंत्रालय में उप सचिव (बीमा) (1994-97) और वित्तीय क्षेत्र विनियामक आयोग, एंटीगुआ और बारबुडा (2002-2006) में अंतर्राष्ट्रीय बीमा अधीक्षक और इंटरनेशनल बैंक्स एंड ट्रस्ट कॉरपोरेशन्स (एफएसआरसी) के पर्यवेक्षक के रूप में बीमा क्षेत्र के विनियमन का कई वर्ष का अनुभव है। आपने भारत में बीमा क्षेत्र में सुधारों पर काम किया और भारत में बीमा विनियामक प्राधिकरण की स्थापना से जुड़े प्रमुख व्यक्ति थे। बाद में, वित्तीय आसूचना एकक - भारत (एफआईयू) के निदेशक बन कर जाने से पहले आपने 2009-2011 तक भारत में पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के कार्यकारी निदेशक के पद पर कार्य किया। बैंकिंग क्षेत्र के विनियामक के रूप में डॉ. तिवारी ने बेसल कोर सिद्धांत लागू किए और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा एंटीगुआ और बारबुडा के बैंकिंग क्षेत्र के मूल्यांकन का समन्वय किया। आपने अमेरिका और यूरोप के कई देशों से संचालित बैंकों का विवेकपूर्ण विनियमन और पर्यवेक्षण किया है।

वित्तीय आसूचना एकक - भारत (2011-2016) के निदेशक के रूप में डॉ. तिवारी ने 150 से अधिक देशों के एफआईयू का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठन - एफआईयू के एग्मोंट समूह की कार्यकारी समिति में लगातार दो कार्यकाल (लगभग 5 वर्ष) तक एशिया का प्रतिनिधित्व किया। आप 2013 में एग्मोंट समूह द्वारा अनुमोदित एग्मोंट चार्टर की चार्टर समीक्षा समिति के सदस्य थे। आपने भारत में एफएटीएफ और एग्मोंट समूह की प्रमुख अपेक्षाओं को लागू किया और वित्तीय क्षेत्र (बैंकिंग, बीमा और पूंजी बाजार) और साथ ही नामित गैर-वित्तीय व्यवसाय और पेशों (डीएनएफबीपी) को सम्मिलित करते हुए एक सुदृढ़ रिपोर्टिंग व्यवस्था स्थापित की। डॉ. तिवारी ने 2019 से 2020 तक पोर्ट ऑफ स्पेन में कैरेबियन फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स के साथ भी काम किया है।

भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की ऑडिटिंग और अकाउंटिंग में डॉ. तिवारी का अनुभव राज्य और संघीय, दोनों स्तरों पर रहा है जिसमें लेखापरीक्षा नीति का कार्यान्वयन और निगरानी भी शामिल है। डॉ. तिवारी ने भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय में महानिदेशक, अंतर्राष्ट्रीय संबंध के पद पर भी काम किया है जहां उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सचिवालय और संयुक्त राष्ट्र के अन्य संगठनों की ऑडिटिंग का समन्वय किया और सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीय मानकों (आईएसएसएआई) और INTOSAI एवं ASOSAI के अन्य नीतिगत मामलों पर कार्य किया।

डॉ. तिवारी के पास बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (वित्त) में पीएचडी और भूविज्ञान और अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री है। आपकी पेशेवर योग्यताओं में चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट (भारत), सर्टिफाइड फाइनेंशियल सेक्टर ऑडिटर (यूएसए), सर्टिफाइड इंटरनल ऑडिटर (यूएसए) और सर्टिफाइड एंटी मनी लॉन्ड्रिंग स्पेशलिस्ट (यूएसए) शामिल हैं।